रूसी परी-कथा

फादर फ्रॉस्ट

चित्र: पी. पोनोमारेंको

हिंदी: अरविन्द गुप्ता
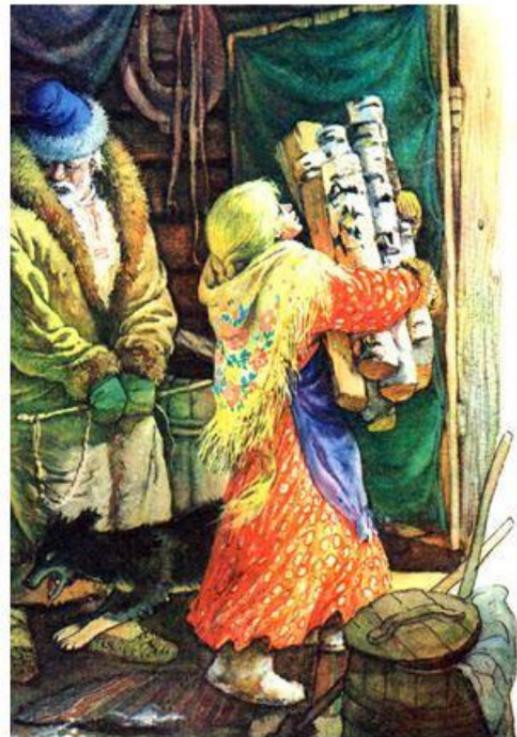
एक बार की बात है, एक बूढ़ा आदमी अपनी दूसरी पत्नी के साथ रहता था और उन दोनों की एक-एक बेटी थी. उस आदमी की एक बेटी थी और उसकी पत्नी की भी एक बेटी थी.

हर कोई जानता है कि सौतेली मां कैसी होती हैं. यदि आप कुछ गलत करेंगे, तो आपको मार पड़ेगी, और यदि आप काम सही करेंगे, तो फिर भी आपको मार पड़ेगी. लेकिन सौतेली मां अपनी बेटी के साथ ऐसा नहीं करती थी: चाहे लड़की कुछ भी करे, वो उसे एक अच्छी और चतुर लड़की के रूप में प्यार करती थी और उसकी प्रशंसा करती थी.

बूढ़े आदमी की बेटी दिन ढलने से पहले उठकर मवेशियों की देखभाल करती थी, घर में जलाऊ लकड़ी और पानी लाती थी, चूल्हा जलाती थी और फर्श साफ करती थी. लेकिन सौतेली मां हर बात में उसकी गलतियां निकालती थी और दिन भर उसे परेशान करती और डांटती थी.

कई बार तेज़ हवा चलती है लेकिन कुछ देर बाद वो शांत हो जाती है. लेकिन एक बार उत्तेजित हो जाने के बाद उस बूढ़ी औरत को शांत करना बड़ा मुश्किल था. अंत में सौतेली मां ने अपनी सौतेली बेटी को मौत के घाट उतारने का अपना मन बनाया.

"उसे ले जाओ, बूढ़े आदमी," उसने अपने पति से कहा, "मैं अब उसे और बर्दाश्त नहीं कर सकती. उसे कड़कड़ाती ठंड में जंगल में ले जाओ और उसे वहीं छोड़कर वापिस आओ."

बूढ़ा आदमी रोया और बहुत दुःखी हुआ लेकिन वो जानता था कि वो उस मामले में कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि उसकी पत्नी हमेशा अपनी ही बात चलाती थी. इसलिए उसने अपने घोड़े को स्लेज में जोता और फिर अपनी बेटी को बुलाया:

"आओ, मेरी प्यारी बच्ची, स्लेज पर बैठो."

पिता अपनी बेघर लड़की को जंगल में ले गया. वहां उसने अपनी बेटी को एक बड़े देवदार के पेड़ के नीचे बर्फ के ढेर में फेंक दिया और फिर वापिस चला गया.

बहुत तेज़ ठंड थी. लड़की देवदार के पेड़ के नीचे बैठ गई और सर्दी से कांपने लगी. अचानक लड़की ने फादर फ्रॉस्ट को एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर छलांग लगाते और टहनियों के बीच से चटकते और चहकते हुए सुना. पलक झपकते ही फादर फ्रॉस्ट उस पेड़ की चोटी पर आ गए थे जिसके नीचे वो बैठी थी.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" फादर फ्रॉस्ट ने पूछा.

"हां, मैं बहुत गर्म हूँ. फादर फ्रॉस्ट!" लड़की ने जवाब दिया.

फ़ादर फ्रॉस्ट नीचे आये और उन्होंने पहले से भी अधिक ज़ोर से ठंड की.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" फादर फ्रॉस्ट ने फिर पूछा. "क्या तुम गर्म हो, सुंदरी लड़की?"

लड़की बड़ी मुश्किल से अपनी सांसें ले पा रही थी, लेकिन उसने कहा:

"हां, मैं बहुत गर्म हूं. फादर फ्रॉस्ट!"

फिर फ़ादर फ्रॉस्ट वास्तव में बहुत ज़ोर से चटकते और तड़कते हुए और भी नीचे आए.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" उन्होंने पूछा. "क्या तुम गर्म हो, मेरी प्यारी लड़की? क्या तुम गर्म हो, मेरी प्यारी लड़की?"

अब लड़की ठंड से सुन्न होती जा रही थी और मुश्किल से अपनी जीभ हिला पा रही थी, लेकिन फिर भी उसने कहा:

"मैं बहुत गर्म हूं, आपका बहुत धन्यवाद फादर फ्रॉस्ट!"

फिर फादर फ्रॉस्ट को लड़की पर दया आ गई और उन्होंने उसे अपनी रोयेंदार और मुलायम रजाई में लपेट लिया.

इस बीच, सौतेली मां पैनकेक पका रही थी और सौतेली लड़की के अंतिम संस्कार की दावत की तैयारी कर रही थी. उसने अपने पति से कहा:

"जंगल में जाओ, बूढ़े बदमाश, और अपनी बेटी को दफनाने के लिए वापस घर लाओ!"

बूढ़ा आदमी जंगल में गया और वहां, उसी स्थान पर जहां उसने उसे छोड़ा था, उसकी बेटी वहीं बैठी थी, एकदम खुश और गुलाबी. वो एक सेबल कोट में लिपटी हुई थी और चांदी और सोने से लदी हुई थी. उसके बगल में महंगे उपहारों से भरी एक बड़ी टोकरी भी रखी थी.

बूढ़ा बहुत खुश हुआ. उसने अपनी बेटी को स्लेज पर बैठाया, टोकरी उसकी बगल में रखी और घर की ओर चला.

अब बूढ़ी औरत अभी भी पैनकेक पका रही थी जब अचानक उसने मेज के नीचे अपने छोटे कुत्ते को यह कहते हुए सुना:

"भौं-भौं! बूढ़े आदमी की गोरी बेटी एक अमीर दुल्हन है."

लेकिन बुढ़िया की बेटी, की कभी शादी नहीं होगी!"

बुढ़िया ने कुत्ते को एक पैनकेक फेंका और कहा:

"तुम ग़लत बोल रहे हो कुत्ते! तुम्हें यह कहना चाहिए:

'बुढ़िया की बेटी को बहला-फुसलाकर जीत लिया जाएगा,

लेकिन बूढ़े आदमी की बेटी मर गई और चली गई!''

कुत्ते ने पैनकेक खा लिया, लेकिन फिर भी उसने वही दोहराया:

"भौं-भौं! बूढ़े आदमी की बेटी एक अमीर दुल्हन बनेगी.

लेकिन बुढ़िया की बेटी, उसकी कभी शादी नहीं होगी!"

बूढ़ी औरत ने कुत्ते को और पैनकेक फेंके और जब इससे कोई फायदा नहीं हुआ तो उसने उसे पीटा, लेकिन फिर भी कुत्ते ने वही कहा जो उसने पहले कहा था.

अचानक दरवाज़ा चरमराया, दरवाज़ा खुला और बूढ़े आदमी की बेटी, चांदी और सोने की पोशाक में चकाचौंध दिखती अंदर आई.

उसके पीछे उसके पिता कीमती उपहारों से भरी एक बड़ी एक भारी टोकरी लेकर आ रहे थे. बुढ़िया ने जब वो देखा और उसकी सिट्टी-पिट्टी गम हो गई.

"घोड़े को स्लेज से बांधो, बूढ़े बदमाश!" उसने अपने पति को आदेश दिया. "मेरी बेटी को भी जंगल में लेकर जाओ और उसे भी उसी स्थान पर छोड़कर आओ."

बूढ़े आदमी ने बुढ़िया की बेटी को स्लेज में बिठाया. वो उसे उसी स्थान पर जंगल में ले गया. उसने उसे उसी ऊंचे देवदार के पेड़ के नीचे बर्फ के ढेर में फेंक दिया और फिर घर चला गया.

वहां बुढ़िया की बेटी बैठी रही. वहां इतनी ठंड थी कि उसके दांत किटकिटाने लगे.

धीरे-धीरे फादर फ्रॉस्ट एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर छलांग लगाते, टहनियों को चटकाते हुए आए और बीच-बीच में रुककर बुढ़िया की बेटी पर अपनी नज़र डालते रहे.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" फादर फ्रॉस्ट ने पूछा.

लड़की ने उत्तर में कहा:

"ओह, नहीं. मुझे बहुत ठंड लग रही है! इतनी ठंड मत करो, फ्रॉस्ट!"

फ़ादर फ्रॉस्ट नीचे आए, और उन्होंने और भी तेज़ ठंड की.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" उन्होंने पूछा. "क्या तुम गर्म हो, मेरी सुंदरी लड़की?"

"ओह, नहीं," लड़की ने कहा, "मैं पूरी तरह सुन्न हो गई हूं! तुम यहाँ से चले जाओ, फ्रॉस्ट!"

लेकिन फादर फ्रॉस्ट और भी नीचे आ गए और उन्होंने और भी जोर की ठंड की और उनकी सांसें ठंडी और ठंडी होती गईं.

"क्या तुम गर्म हो, मेरी बेटी?" फादर फ्रॉस्ट ने फिर से पूछा. "क्या तुम गर्म हो, मेरी सुंदरी?"

"अरे नहीं!" वो रोई. "मैं ठंड से जम गई हूं! तुम एक प्लेग हो, बूढ़े फ्रॉस्ट! मुझे उम्मीद है कि पृथ्वी तुम्हें ज़रूर निगल जाएगी!"

फादर फ्रॉस्ट उन शब्दों से इतने क्रोधित हुए कि उन्होंने उस लड़की को अपनी पूरी ताकत से पकड़ लिया और उस बूढ़ी औरत की बेटी को मौत के घाट उतार दिया.

दिन चढ़ ही रहा था कि बुढ़िया ने अपने पति से कहा:

"जल्दी करो और घोड़े पर सवार हो जाओ, बूढ़े बदमाश. जाओ मेरी बेटी को चांदी और सोने से सजाकर वापस लाओ."

जब बूढ़ा आदमी चला गया तब मेज के नीचे बैठे छोटे कुत्ते ने कहा:

"भौं-भौं! बूढ़े आदमी की बेटी की जल्द ही शादी होगी,

लेकिन बुढ़िया की बेटी ठंड से मर चुकी है!"

बुढ़िया ने कुत्ते की ओर एक केक का टुकड़ा फेंका और कहा:

"तुम ग़लत बोल रहे हो कुत्ते! तुम्हें कहना चाहिए:

बुढ़िया की बेटी एक अमीर की दुल्हन बनकर आएगी,

लेकिन बूढ़े आदमी की बेटी, की कभी शादी नहीं होगी!''

लेकिन कुत्ते ने वही दोहराया जो उसने पहले कहा था:

"भौं-भौं! बुढ़िया की बेटी ठंड से मर चुकी है!"

तभी गेट चरमराया और बुढ़िया अपनी बेटी से मिलने के लिए बाहर दौड़ी. उसने स्लेज के कवर को उठाया और वहां उसकी बेटी स्लेज में मृत अवस्था में पड़ी थी.

बुढ़िया जोर-जोर से रोने लगी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी.